८ कैरिअर

अंतर्मन की आवाज पहचानना..

67RUKH

उद्‌देश्य :

(१) कैरिअर की संकल्पना का स्पष्टीकरण एवं महत्त्व अपने शब्दों में व्यक्त करने आना ।

(२) अपनी स्वयं की रुचि, क्षमताएँ तथा अवसर पहचानना ।

(३) 'कैरिअर मैजिक फ्रेमवर्क' का प्रयोग करके स्वयं के लिए सुयोग्य कैरिअर क्षेत्र का चुनाव करना ।

(४) दसवीं के बाद उपलब्ध रुचि के अनुसार सात क्षेत्रों का स्थूल रूप में वर्गीकरण देना ।

(५) 'स्वयं' के लिए समुचित लगने वाले कैरिअर के अवसर तथा चुनौतियों का मूल्यांकन करना ।

१. आपके अनुसार कैरिअर का अर्थ क्या है?

- कैरिअर बहुत रुपये कमाने का साधन है ।

  हाँ नहीं

- कैरिअर से तात्पर्य है सुबह से शाम तक किया जाने वाला कार्य ।

  हाँ नहीं

- कैरिअर का अर्थ है प्रसिद्‌धि पाना तथा सफल होना ।

  हाँ नहीं

प्रत्येक विधान पढ़िए तथा विद्‌यार्थियों को उनका हाँ या नहीं इनमें से जो उत्तर है, इस संदर्भ में हाथ ऊपर उठाने के लिए कहें । विद्‌यार्थी करियर संबंधी क्या सोचते है इस बारे में विचारों का आदान-प्रदान करने हेतु प्रेरित कीजिए ।

२. कैरिअर से क्या तात्पर्य है ?

कैरिअर से तात्पर्य है कि जीवन में आनंद और गुण विशेषता के कारण होने वाला विकास ।

आनंद +	विशेषता =	सर्वांगीण विकास
आनंद का अर्थ है कोई कार्य करते समय प्राप्त होने वाली संतुष्टि	रुचि के क्षेत्र में सर्वाधिक श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए अपने पास मूलत: होने वाली क्षमताएँ विकसित करना इसे ही गुणवत्ता (विशेषता) कहते हैं ।	सर्वांगीण विकास धन, आदर, मानसिक संतुष्टि प्रसिद्‌धि, प्रतिष्ठा आदि रूपों में व्यक्त होता है ।

जब कोई व्यक्ति अपनी रुचिवाले क्षेत्र में काम करता है और स्तरीय कार्य करने के लिए उसके पास क्षमताएँ होती हैं, वे क्षमताएँ लगन तथा प्रतिबद्‌धता के कारण बढ़ती हैं । तब उस व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है । इसे ही कैरिअर बनाना कह सकते हैं।

जैसे- क्रिकेट कैरिअर को सचिन तेंडुलकर ने क्यों चुना ? क्योंकि क्रिकेट खेलने में उसे आनंद आता है उसके लिए उसने काफी मेहनत भी की है। साथ-ही-साथ वह अच्छा खेल भी सकता था । क्रिकेट का आनंद लेते-लेते उसने अपनी गुणवत्ता बढ़ाते हुए क्रिकेट के क्षेत्र में अपना बहुत बड़ा नाम किया है । अपनी रुचि और क्षमता के बल पर उसने अपना सर्वांगीण विकास किया है

कक्षा के विद्यार्थियों के पाँच गुट बनाइए। ऐसा लगता है कि जिस व्यक्ति ने अपना कैरिअर बनाया है ऐसे तीन व्यक्तियों के नाम प्रत्येक को याद करने के लिए कहिए। वे व्यक्ति कोई भी हों उन प्रत्येक की रुचि, क्षमता, अवसर किस प्रकार इकट्ठा हुए यह समझते हुए चर्चा कीजिए।

३. 'कैरिअर मैजिक फ्रेमवर्क'

रुचि का अर्थ यह है कि जो बात करना आप पसंद करते हैं और वह करते समय आपको आनंद आता है। चाहे जितना समय हो वह कार्य आप कर सकते हैं। आपको समय का भी ध्यान नहीं रहता है। रुचि बिलकुल ही व्यक्तिगत एवं व्यक्ति विशेष आंतरिक बात होती है।

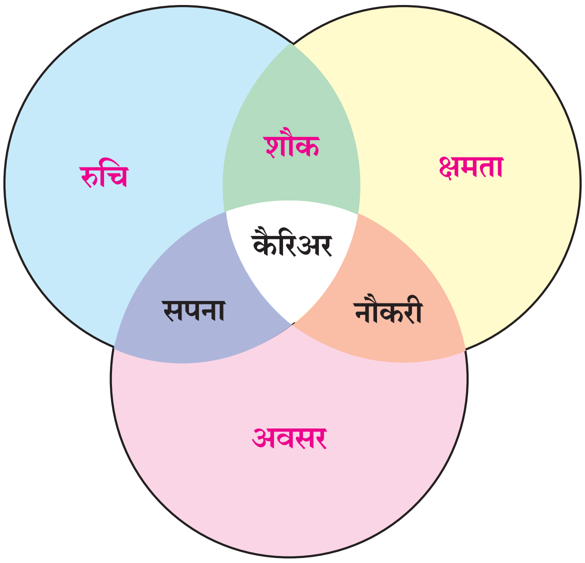

क्षमता का अर्थ है कोई काम करने का ज्ञान, कौशल तथा ताकत। क्षमता आनुवांशिकता से प्राप्त हो सकती है बाद में प्रशिक्षण, अभ्यास तथा प्रतिसाद से विकसित की जा सकती है। कोई भी व्यक्ति उसकी रुचि के क्षेत्र में अथक मेहनत से सदैव उत्कंठित रहता है।

अवसर से तात्पर्य है कि समाज से की जाने वाली माँग अथवा समाज की आवश्यकता, जो पूरी हो जाने पर समाज उसे रुपये देने के लिए तैयार रहता है। समाज की यह आवश्यकता अथवा माँग नौकरी अथवा व्यवसाय के अवसर उपलब्ध कराती है।

कैरिअर मैजिक फ्रेमवर्क का अर्थ होता है इन तीनों बातों का एक साथ होना। इनमें से एक भी बात अलग रखें तो बचता है केवल आपका सपना, आपकी नौकरी अथवा आपका शौक। कैरिअर बनाने के लिए सपना, नौकरी, शौक और कैरिअर में अंतर मालूम होना भी जरूरी है।

सोचने के लिए आवश्यक मुद्दे

- *सदैव याद रखें – आप विशेष व्यक्ति हैं । आपका कैरिअर मैजिक फ्रेमवर्क भी विशेष है ।*
- *आपका कैरिअर मैजिक फ्रेमवर्क आपके निकटतम मित्र/सहेली अथवा किसी अन्य व्यक्ति जैसा नहीं हो सकता है । अत: आपको स्वयं के विशेष कैरिअर मैजिक फ्रेमवर्क को बनाना जरूरी है ।*

४. सपना, शौक, नौकरी और कैरिअर का अंतर समझ लेना ।

(अ) सपना = रुचि + अवसर – क्षमता

रुचि – 'अ' को अभिनेता बनने में रुचि है ।

क्षमता – 'अ' अति शरमानेवाला, आलसी है । उसे अच्छा अभिनय करने नहीं आता है ।

अवसर – अभिनेताओं तथा अभिनेत्रियों को धन कमाने के लिए बहुत अवसर हैं ।

क्षमता न होने के कारण अच्छा अभिनेता बनना 'अ' का केवल सपना ही रहेगा । अभिनय में कैरिअर बनाने के लिए उसे उसकी क्षमताएँ अथक परिश्रमों से तथा प्रशिक्षण लेकर विकसित करनी पड़ेगी ।

(ब) शौक = रुचि + क्षमता – अवसर

रुचि – 'ब' को पुस्तकें पढ़ने में रुचि है ।

क्षमता – 'ब' प्रतिदिन सौ पृष्ठ पढ़ती है ।

अवसर – केवल पुस्तकें पढ़ने से, धन कमाने के कोई अवसर प्राप्त न होने के कारण 'ब' के लिए पुस्तकें पढ़ना यह शौक ही रहेगा, जबतक उसे किसी–न –किसी शिक्षा का साथ नहीं मिलेगा ।

(क) नौकरी = क्षमता + अवसर – रुचि

रुचि – 'क' को गणित और विज्ञान में रुचि है ।

क्षमता – 'क' ने संगीत की पृष्ठभूमिवाले घराने में जन्म लिया है और गायन की क्षमता उसकी सहज प्रतिभा है ।

अवसर – अच्छे गायकों को धन तथा प्रसिद्धि पाने के बहुत सारे अवसर उपलब्ध होते हैं ।

रुचि न होने के कारण 'क' का गायक होने पर भी वह जबरदस्ती से धन पाने के लिए नौकरी करेगा ।

(ड) कैरिअर = क्षमता + अवसर + रुचि

रुचि – 'ड' को मित्र/सहेली के खेत पर काम करना तथा कृषिसंबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए समय देना अच्छा लगता है ।

क्षमता – 'ड' ने फसल तथा यांत्रिक कृषिसंबंधी अनुसंधान भी किया है । 'ड' धूप में अधिक समय तक काम कर सकती है ।

अवसर – कृषि क्षेत्र में नए-नए अनुसंधान तथा खोज कार्य करने के लिए बहुत अवसर भी हैं ।

अर्थात 'ड' की रुचि, क्षमता तथा अवसर एकत्रित हुए हैं अत: 'ड' कृषि क्षेत्र में अच्छा कैरिअर बना सकती है ।

५. अपनी इच्छा के अनुसार कौन कैरिअर बना सकेगा ?

निम्न प्रसंगों का अध्ययन करके पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए ।

शमिका के अभिभावक डॉक्टर हैं । उनका औरंगाबाद में अस्पताल है । उसके माता-पिता उसकी फीस अदा करके उसे डॉक्टर बनाने के लिए तैयार हैं परंतु शमिका को पेंटिंग करना अच्छा लगता है । इस क्षेत्र में वह अच्छा काम कर सकती है । वह कई घंटों तक स्केचेस तथा पेंटिंग बिना ऊबे हुए कर सकती है । उसे अस्पताल जाना पसंद नहीं है ।

- क्या शमिका अच्छी डॉक्टर बन सकती है ?
- ऐसे कौन-से घटक उसके पक्ष में हैं जो उसे डॉक्टर बनाने में सहायक हैं ?
- वह शायद अच्छी डॉक्टर नहीं बन सकती है यह किन घटकों से ज्ञात होता है ?

मनीष को क्रिकेटर बनना है । उसका आदर्श सचिन तेंडुलकर है। कभी-न-कभी सचिन जैसा बनना उसका सपना है । परंतु उसकी कुछ वैद्यकीय समस्याओं के कारण वह धूप में अधिक समय तक रुक नहीं सकता है ।

- क्या मनीष श्रेष्ठ क्रिकेटर बन सकता है ?
- वह क्रिकेटर बन सकता है ऐसे कौन-से घटक उसके पक्ष में हैं ?
- वह शायद क्रिकेटर नहीं बन सकता ऐसा क्यों लगता है ?

अली शिक्षक बनना चाहता है । उसके माता-पिता भी शिक्षक हैं और उसकी महत्त्वाकांक्षा को बल देने वाले हैं । विद्‌यार्थी के रूप में अली अच्छा है और परीक्षा में भी अच्छी सफलता प्राप्त करता है । उसके मित्रों को लगता है कि अली के पास अध्यापन का भी कौशल है । जब अली के पास समय होता है तब उसे बच्चों के साथ समय बिताना अच्छा लगता है । अली अपनी कॉलोनी के छोटे बच्चों को पढ़ाता है ।

- क्या अली अच्छा शिक्षक बन सकता है ?
- अली श्रेष्ठ शिक्षक बन सकता है ऐसे कौन-से घटक उसके पास हैं ?
- शायद अली अच्छा शिक्षक नहीं बन पाएगा क्या ऐसा लगता है ?

६. अपनी रुचि के विषय में सोचिए ।

(१) ऐसी कृति जो करते समय आपको समय का एहसास नहीं होता और वह कृति करते समय आप उसमें पूरी तरह से रम जाते हैं ।

(२) ऐसी कृति करते समय आप बहुत खुश रहते हैं और वह कृति बार-बार करना अच्छा लगता है।

(३) ऐसी कृति जो करते समय आपको लगता है कि मैं १००% कोशिश कर रहा हूँ ।

(४) ऐसी कृति जिसमें आप सदैव सुधार करते हैं ।

(५) ऐसा क्षेत्र जिसके बारे में आप अधिक जानकारी प्राप्त करते हैं अथवा उस क्षेत्र से संबंधित अन्य व्यक्तियों से बातचीत करते हैं । इससे आपको अधिक आकलन हो सकता है।

(६) ऐसी कृति जो आप अपने खाली समय में करने के बारे में सोचते हैं ।

(७) ऐसी कोई बात जो करना आपको पसंद नहीं है, करते समय डर लगता है, कुछ बेचैनी-सी लगती है ।

(८) ऐसी कोई कृति जिसे करने के लिए बहुत कोशिश करने पर भी कठिन ही लगता है ।

(९) ऐसी कृति जिसे करना आप सदैव टालते हैं ।

विद्‌यार्थियों को पूछे गए प्रश्नों पर कैरिअर की दृष्टि से विचार करने के लिए प्रोत्साहित करें और उन्हें कॉपी में लिखने के लिए कहें ।
विद्‌यार्थियों के साधारण उत्तरों से भिन्न उत्तर दें । जैसे खाना/वीडियो गेम्स खेलना । टी.वी. देखना/ फोन पर बोलना इस प्रकार के उत्तर छोड़कर अन्य विचार हों । यहाँ पूछे गए प्रश्नों की रचना इस प्रकार की हैं कि उन्हें अपनी रुचि के अनुसार विचार करने के लिए सहायता होगी । विद्‌यार्थियों को अनेक प्रश्नों का एक उत्तर देना अथवा प्रत्येक के एक-से उत्तर देने की सुविधा है ।

७. अपनी पसंद ढूँढ़िए ।

- **यहाँ क्रियाओं की सूची दी है ।**
- **पाँच क्रियाएँ ऐसी ढूँढ़िए जो आपकी पसंद का क्षेत्र दर्शाती हैं और उन क्रियाओं का प्रयोग करके सार्थक वाक्य बनाइए ।**
- **आप अपनी क्रियाओं का भी प्रयोग कर सकते हैं ।**

क्रियाओं की सूची

सोचना	प्रस्तुतीकरण	रक्षा करना	घुमक्कड़ होना
मापना	योजना बनाना	सर्वेक्षण करना	कसरत करना
बटोरना	अनुसंधान करना	अध्यापन करना	आरेखन करना
रचना करना	अध्ययन करना	अनुवाद करना	दुरुस्त करना
निर्मिति करना	लिखना	परीक्षण करना	(अपने मन की
फसल उगाना	जोड़ाई करना	रसोई बनाना	क्रियाएँ
निर्देशन करना	नवीनतापूर्ण	खाना बनाना	जोड़िए)
प्रारंभ करना	अनुसंधान करना	तैयार करना	
खोजना	नेतृत्व देना	गाना गाना	
	प्रबंधन करना	नृत्य करना	

जैसे – मुझे कविता करना/लिखना अच्छा लगता है ।

(१) मुझे < उपरोक्त सूची की क्रिया > .... पसंद है ।
(२) मुझे < उपरोक्त सूची की क्रिया > .... पसंद है ।
(३) मुझे < उपरोक्त सूची की क्रिया > .... पसंद है ।
(४) मुझे < उपरोक्त सूची की क्रिया > .... पसंद है ।
(५) मुझे < उपरोक्त सूची की क्रिया > .... पसंद है ।

८. अपनी क्षमता ढूँढ़िए ।

मैं .... कर सकता/सकती हूँ ।
जैसे – मैं अच्छी कविता लिख सकती हूँ ।
< प्रमाण > मेरी कविताओं की सभी से प्रशंसा होती है ।
मेरी कविताओं को पुरस्कार प्राप्त हुए हैं ।

- विद्यार्थी जो कहना चाहते हैं उन्हें उसे स्पष्टता से लिखने के लिए प्रेरित करें ।
- दिए गए उदाहरणों के संदर्भ में विधान बनाइए ।
- विद्‌यार्थी द्‌वारा लिखित विधानों की पुष्टि के लिए प्रमाण दिया गया हो तो उसे प्रेरित करें ।
- वह प्रमाण विद्यार्थी स्वयं किस बात में प्रवीण है, उसका वास्तव चित्र प्रस्तुत करने वाला हो ।
- विद्‌यार्थी द्‌वारा लिखित 'स्व'-रिपोर्ट का संदर्भ ले सकते हैं ।
- इसे विद्यार्थियों ने 'स्व-पहचान' इस प्रकरण में हल किया है ।

मैं .... यह सहजता से कर सकता हूँ ।
जैसे – मैं विज्ञान की प्रतिकृति (मॉडेल) सहजता से बना सकती हूँ । <प्रमाण> मैंने बहुत–सी विज्ञान प्रदर्शनी के लिए प्रतिकृतियाँ बनाई हैं ।

मैं .... अच्छा करता हूँ ।
जैसे – मैं फुटबॉल अच्छा खेल सकता हूँ। <प्रमाण> विद्‌यालय के समूह में मेरा चुनाव हुआ है और मुझे चषक प्राप्त हुआ है ।

मैं .... इसके लिए सदैव तैयार रहता/रहती हूँ
जैसे – मैं समाज–कार्य के लिए सदैव तैयार रहता/रहती हूँ । <प्रमाण> किसी भी सामाजिक कार्य के लिए सबसे आगे प्रथम रहने वाला/वाली होती/होता हूँ ।

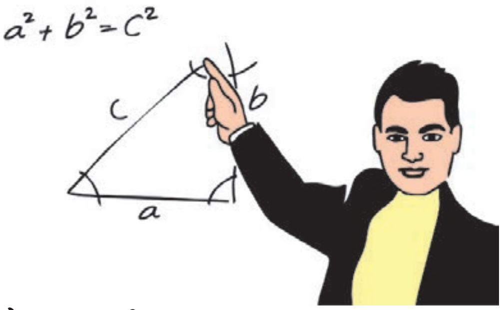

मुझे शायद कभी ....
जैसे – मुझे शायद ही कभी गणित के प्रश्न हल करना कठिन लगता है । <प्रमाण> मेरे कक्षाध्यायी कठिन संकल्पना मेरे पास आकर समझ लेते हैं ।

मैं .... इसलिए प्रसिद्‌ध हूँ
जैसे – मैं कोई भी वस्तु कैसी चलती है ? इस संदर्भ में प्रश्न पूछने के लिए प्रसिद्‌ध हूँ। <प्रमाण> मेरे बारे में सबसे अधिक जिज्ञासु विद्‌यार्थी इस प्रकार की पहचान शिक्षक करा देते हैं ।

मुझे .... में अच्छे अंक प्राप्त होते हैं ।
जैसे – मुझे भाषा विषय में अधिक अंक प्राप्त होते हैं । <प्रमाण> मेरे प्रगति–पुस्तक में मेरे अंक देखने मिलेंगे ।

लोगों ने मेरी .... इसलिए प्रशंसा की है ।
जैसे – लोगों ने मेरे लेखन की प्रशंसा की है । <प्रमाण> जिलास्तरीय निबंध स्पर्धा में मैंने प्रथम क्रमांक प्राप्त किया है ।

९. अपनी रुचियाँ तथा क्षमताओं को एक-दूसरे के साथ जोड़िए।

विभाग ७ और ८ में अपने लिखे हुए उत्तरों का अध्ययन कीजिए । उसमें से आपकी रुचि-अरुचि तथा क्षमताओं को ढूँढ़िए ।

दोनों में कुछ समानताएँ हैं क्या ?

आपकी पसंदवाली बातें कौन-सी हैं? और कौन-सी बातें अच्छी तरह से करने में आप सक्षम हैं ? ऐसी कृतियों की सूची बनाइए । जहाँ आपको अपनी रुचियाँ तथा क्षमताओं में पारस्परिक सहसंबंध दिखाई देता है ।

- यहाँ विद्यार्थियों को आपके मार्गदर्शन की आवश्यकता है ।
- विद्यार्थी विधानों की रचना शायद अलग तरीके से करेगा । इससे शायद उन्हें रुचि और क्षमताओं के बीच समानता ढूँढ़ना कठिन होगा । उनका आवश्यक मार्गदर्शन कीजिए । जैसे - मुझे बच्चों के साथ समय बिताना अच्छा लगता है और मैं अच्छा पढ़ा सकता हूँ । ये विधान एक-दूसरे के लिए पूरक हैं ।

१०. अपने लिए अवसर ढूँढिए ।

२१ वीं सदी में बहुत अधिक अवसर तथा संभावनाएँ निर्माण हुई हैं । इसके पहले अपना कैरिअर बनाने के लिए बहुत सीमित अवसर मौजूद थे । परंतु आज के प्रौद्योगिक तथा वैश्वीकरण के काल में आपको अपनी रुचि का क्षेत्र कैरिअर की दृष्टि से चुनना बहुत आसान हो गया है ।

सामान्यत: दसवीं की परीक्षा देने के बाद उच्च शिक्षा के क्षेत्र की चुनाव-प्रक्रिया आरंभ होती है ।

विद्यार्थी जो क्षेत्र चुनते हैं, वे सामान्यत: निम्नानुसार हैं ।

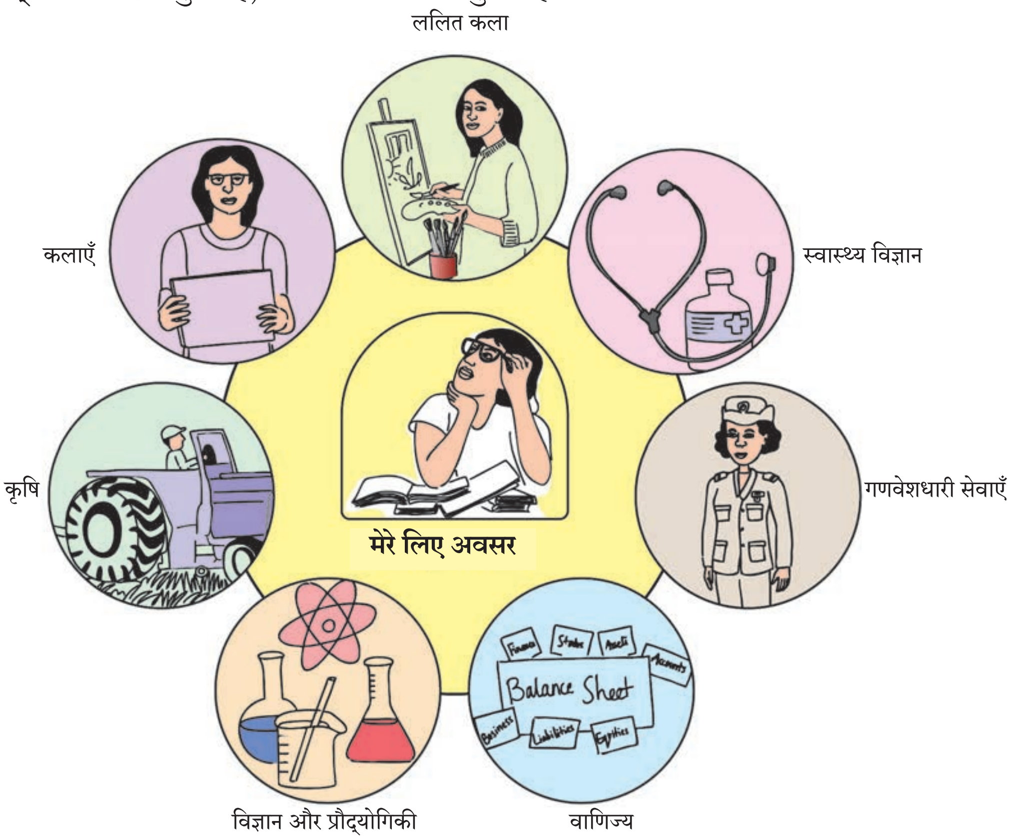

आगे चलकर ये ही क्षेत्र उच्च शिक्षा की ओर जाते हैं । इसके अलावा अध्यापन, कानूनशिक्षा, अनुसंधान, व्यवस्थापन, नागरी सेवाएँ आदि अनेक पर्याय भी सामने आ जाते हैं ।

विद्‌यार्थी उचित शिक्षा क्षेत्र का चुनाव करने के बाद उस क्षेत्र के अनुभव तथा विभिन्न बातें स्वयं करने के बाद समृद्‌ध हो जाते हैं । उसके बाद वे अपनी उच्च स्तरीय रुचि तथा अवसरों की खोज कर सकते हैं ।

सफल कैरिअर बनाने का रास्ता हमेशा सीढ़ी-दर-सीढ़ी से पूरा करना पड़ता हैं ।

११. प्रकल्प – 'लक्ष्य'

इस वर्ष हम बहुत महत्वपूर्ण प्रकल्प शुरू कर रहे हैं । इस प्रकल्प का नाम है, 'लक्ष्य'

प्रत्येक गुट को उनकी रुचि ध्यान में रखते हुए निम्न कृतियाँ समूह में करनी हैं

(१) अपनी पसंद के क्षेत्र के अवसरों की सूची बनाइए ।

(२) अपनी रुचि के क्षेत्र में जिन्होंने कैरिअर बनाए हैं ऐसे लोगों का कैरिअर-यात्रा संबंधी साक्षात्कार लीजिए ।

(३) इन व्यक्तियों को उनके क्षेत्र के अवसरों से संबंधित तथा उनके कामों के स्वरूप के संदर्भ में पूछें ।

(४) इस कैरिअर क्षेत्र से संबंधित जो शिक्षा ग्रहण करनी पड़ती है उसके लिए आवश्यक व्यय संबंधी अंदाजा लें ।

(५) उस व्यक्ति के कार्यस्थल को क्षेत्रभेंट देकर पूरा दिन वहाँ बिताएँ ।

(६) संभव हो तो जिस व्यक्ति से आप मिलेंगे उस व्यक्ति का फोटो, विजिटिंग कार्ड अथवा उसके हस्ताक्षर लेकर आएँ ।

(७) दो महीने बीत जाने पर प्रत्येक गुट कक्षा में सामने आकर अपने-अपने क्षेत्र संबंधी इकट्‌ठा की गई जानकारी का प्रस्तुतीकरण करें ।

- पिछले पृष्ठ पर दिए गए करियर के क्षेत्र लेकर ७ गुट बनाइए ।
- विद्‌यार्थी को उन ७ गुटों में से उनकी रुचि के गुट में समाविष्ट होने के लिए कहें ।
- यह प्रकल्प पूर्ण करने के लिए उन्हें एक महीने का अवधि दें ।
- विद्‌यार्थी की प्रस्तुति सुनने के लिए प्रत्येक क्षेत्र के तज्ञ व्यक्ति को बुलाइए ।

१२. जीवन कौशलों का महत्व :

पहले जमाने में लोग किसी क्षेत्र की व्याप्ति (स्कोप) कितनी है यह देखकर क्षेत्र का चुनाव करते थे । परंतु आजकल 'व्याप्ति (स्कोप) संकल्पना क्षेत्र से संबंधित न होते हुए विद्‌यार्थीकेंद्री बन गई है । अर्थात्‌ प्रत्येक व्यक्ति स्वयं के लिए आवश्यक, जैसा चाहिए वैसा 'स्कोप' निर्माण कर सकता है ।

आज के युग में शैक्षणिक योग्यता के साथ उस क्षेत्र विशेष के कौशल प्राप्त करना भी अधिक महत्वपूर्ण है । संगणक साक्षरता, भाषा प्रभुता, संवाद कौशल, सामूहिक कार्य तथा उचित कार्य-संस्कृति ये कौशल प्रत्येक के पास होने ही चाहिए ।

निरंतर अध्ययन करने की मानसिकता, स्वयं के शक्तिस्थल पहचानने की क्षमता, वैसे ही गुट के अन्य व्यक्तियों के शक्तिस्थल पहचानने की क्षमता होना, ध्येय प्राप्ति के लिए सामूहिक कार्य करना आदि के कारण प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में अवसरों के दालान खुल जाते हैं ।

१३. आगे का मार्गक्रमण

कक्षा दसवीं में आपको अभी अनुभव किए हुए सात क्षेत्रों की विस्तारपूर्वक पहचान होगी । आप 'रुझान कसौटी' देंगे । इस कसौटी के कारण आपके मनपसंद क्षेत्र का मूल्यांकन होगा । 'रुझान कसौटी' परीक्षा नहीं है और इसके लिए कुछ भी तैयारी करने की आवश्यकता नहीं है । केवल आपको प्रश्नों के उत्तर देने पड़ेंगे ।

अगले वर्ष हम ध्येय-निश्चिति तथा करिअर नियोजन संबंधी अध्ययन करेंगे ।

मूल्यांकन

भारांश १०%				
मापदंड	**बहुत अच्छा**	**योग्य (संतोषजनक)**	**अयोग्य (असंतोषजनक)**	**अंक**
क्षेत्रभेंट तथा साक्षात्कार	क्षेत्रभेंट की है तथा साक्षात्कार लेकर रिपोर्ट तैयार किया है । फोटो, विजिटिंग कार्ड, हस्ताक्षर लाया है ।	केवल रिपोर्ट लिखी है ।	कुछ भी नहीं किया है । रिपोर्ट भी अधूरी है ।	
रुचियाँ तथा क्षमताएँ पहचानना	रुचियाँ तथा क्षमताएँ ढूँढ़कर स्पष्टता से रखी हैं ।	रुचियाँ तथा क्षमताएँ बहुत आमतौर पर ढूँढ़ी है ।	उत्तरों की नकल उतारी है । काम अधूरा है ।	

धैर्यधर और धैर्यशीला कहीं नजर नहीं आ रहे हैं । याद है, उन्होंने इसके पहले हमें कला-रसास्वाद करने के लिए कहा था ।
हाँ, पर उसका क्या ?
लेकिन उन्होंने गायन, वादन अथवा नृत्य के बारे में कुछ भी नहीं बताया था ।
अर्थात प्रयोगजीवी कलाओं के बारे में ?
प्रयोगजीवी कला ?
उन्हें ऐसा ही कहते हैं । पर अब हम क्या करेंगे ?
अगर हम स्वयं ही इसके बारे में जानकारी लेने का प्रयास करेंगे तो ?
दोनों एक-दूसरी की तरफ थोड़ा आशंकित होकर देखती हैं ।